M.A. Examination, 2023 Semester-IV Indo-Tibetan Studies Course-XIII Buddhist Logic

Time: 3 Hours

Full Marks: 40 Questions are of Value as indicated in the margin.

ग्रे निम्यन्यस्य देः नः इस्ययः वः व्यवः देशः वरः दुः द्वेशः दर्वेश

षर.४.इ.लूरे.च.त्रक्रेट्या

- १ वरःसदःस्त्रःस्त्रास्त्रास्त्रः वह्नासदेः स्वाद्येत्रः मृत्रः न्तरः स्त्रः स्वादेशः
- १ ) श्चिन न्वेंत्र वर्रायि व्यवद्यात्र मास्यात्र महिना ने वे भून नित्र निरामा वि वहें तात्र मान समामा
- ३ } श्चिम् न्येव म्बर्म् प्रवे त्वतुर मावय श्वय प्रया हैं मानोवे अन् ने ने अन् नु श्वर मार्च र्यः द्वा विश्वर व वे स्वर ने स्वर ने श्वर
- ५ रे हे यन्यवाळन्यायन् हे वहे व्येन
- ८) श्रुवन्द्रव्यस्यत्वत्वस्यविद्यावस्यस्यस्यस्यस्त्रस्यत्त्रेत्ववेतः
- में श्रीयान्य्य प्रमानिक स्त्राम्य स
- क्ष्यार्ट्स्य व्हर्मान्त्रस्य स्थान्य स्थान्य विषय स्थान्य स्

ড়**ৼ**৽<del>৻৾ৼ</del>৾৽ড়৾৾ৼৢ৽য়৽য়৻ৼৢৼয়

ट. रे वीचित्राचीत्रवाहु.च.द्रम्थरायमानाट.येट.बुवी.वा.जयःक्रीमानट.हुन्

พร:วง:พีรุ

- १ र् श्रीन-निर्देश वर्षात्र त्युर्वा वर्षा श्रमाना सहन् निर्देश मिन विते स्तिन स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स
- ४) श्रुच-द्रव्यं वर्रायदे त्वीर जावरा स्राया राव जाविर ह्रें जाने ते से रागी नहें र निव से रागी स
- में मुन्द्रिक्त्याचेरत्वाराधेदांचेया देवार्स्त्रिक्त्वराच्येत्वत्वराच्येत्वत्वराच्येत्वराच्येत्वराच्येत्वराच्ये

## Department of Indo-Tibetan Studies Visva-Bharati, Santiniketan

Class: M.A.

Subject: Philosophical Literature

Time: 3 hours

Semester: IV

Paper: XIV

Full Marks: 40

## गरे विनम्भवाद्यात्रक्षम्भवाद्यः स्वत्रम्भवादः स्वतः स्वतः

**अ**८ वृहिकारे चित्रयास**ह**्रका

- १) कु द्वण की खेट केंद्र स्नद दट खेना अ हुर रख द्वित स्नद हिंग अ हें र पर हिंश
- अरे क्ट्र-त.र्जु स्थायह्य नीविट क्षेत्र मुग्न
- ૯૮ શ્રેમબ.મી. શ્રુપ્ત.ની. કેમ.તી ત્યાન ત્યાન ત્યાન ત્યાન ત્યાન
- ५रे रमे हैं र स्वा में जिस में प्राप्त में कि कि से कि में में प्राप्त में प्र में प्राप्त में प्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में
- ५ वाबम् त्य्यु र प्वति प्यो र्हे म प्यहिम पानु ह स्थानीय

## ष्ट्रे मन्यम्बयद्भायम्बयद्भायम्बर्धाः

**लट.र्च.**प्र.क्ट्रायास्त्र्रम्

- १ र्वर रें हिर पहिषा की रार्वे र र्वे वर्षे व
- न् नु नु नु नु मु न दूर द्वर र्ये हे र वहिषा में देवे के र अविषय पर नुष
- भेरे वयानक्षान्द्रावन्यक्षान्त्री स्वान्ते वेति स्वान्यम्य स्वान्यस्य
- < र्वे रवे प्रतः शस्त्र वे स्ट्रिंग स्ट्रिंग वि
- ५रे उचित्राचु पति से संगानावना नाबु ट हिराचे त्रा
- ि क्रेंब त्वंबुद्ध स्थान्त्वन त्येन्य प्रम द्वेश
- में इन क्रेन पर् में रामकु प्रति भी रें भपदिन अर्के र पर में भा
- रो क्विन न्यें र ने विषा पहेन की अहन क्यान र अहन के र के र क्या पर के

## M.A. Examination, 2023 Semester-IV Indo-Tibetan Studies Course-XV Indigenous Tibetan Literature

Time: 3 Hours

Full Marks: 40

Questions are of Value as indicated in the margin.

यो नेवानिकावीयवाद्वीतास्यकात्वातास्य विकासात्रात्वीया

षद:10:दे:व्यॅड्य

- १) र्हे.हे.अअस.र्राषुःश्चेर.ज.यासवा.यन्तर.योबर.र्ह्यामा
- ३ व श्वेन परे र्ने इन्दर्दे न्द्री न र्से वाय शे र् में र या वाय या निर्धिय
- र्ो इ.र्सल.श्रैल.र्रुव.कुपु.अह्र.थ्या.अर्रूर.वर्षेथ.धुवा.ग्रुजा

पि नैयोचित्रायोशकाद्गे.य.क्षेत्रकाकात्रायोट.येट.योशित्राकाक्षराह्येश

**अ**दः4ःदेःथॅर्

- ५) वेदासमिव विवयमे ने द्रामा द्रीया
- ७ रे वहवाहेबळ्याच्युरारे रे द्रश्य च्रेया
- न्रे रक्ष.य.चक्किर.इ.इ.स्क्र.झ्रम
- र्भे श्रुरायावडारेरेरव्यादीया
- () वर्के नरेवाय द्वापी श्रेट इसमरे रेवय देश

यो ने यो प्रयायम् या दे ता इस्य राज्या यो ट. दे ट. यो हे या ता या की सार र ही सा

ष्पर:8:र्थेर्

- १० रे के वरी वा बेदादाकें भारा श्रेदा बेया परि क्रें रावा क्रें पा करा सुरा करा सुरा है या
- ११ च्यादःद्वेत् रुद्धः श्रीः सक्षः त्यावारा श्री। चन्यात्यः श्रीदः स्वः श्रीः यावारा स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वय